फ्लाईट द्वारा रामेश्वरम धाम, पॉन्डिचेरी, कन्याकुमारी, मैसूर तिरुपति, ऊटी, त्रिवेन्द्रम यात्रा

यात्रा समयः 13 दिन

यात्रा प्रारम्भः 07 अप्रैल, 07 जुलाई, 8 सितम्बर 2026

श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा
1967 से आपकी सेवा मे तत्पर

दिन	दर्शनीय स्थल
पहला दिन	**दिल्ली** से फ्लाईट द्वारा हैदराबाद के लिए प्रस्थान (रात्रि हैदराबाद में)
दूसरा दिन	**मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग** दर्शन। (रात्रि मल्लिकार्जुन में)
तीसरा व चौथा दिन	**तिरुपति बालाजी** मंदिर तिरुमला पहाड़ी पर पर स्थित है जहा स्थानीय बस द्वारा जायेंगे। दर्शन हेतु ओरिजिनल आधार कार्ड अनिवार्य है। रात्रि तिरुपति।
पांचवां दिन	**वेल्लूर** श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर (स्वर्ण मंदिर)। (रात्रि पॉन्डिचेरी)
छठवां दिन	**पॉन्डिचेरी** अरविन्द आश्रम, पॉन्डिचेरी बीच। (छठवां दिन रास्ते में व रात्रि रामेश्वरम)
सातवां दिन	**रामेश्वरम धाम** समुद्र स्नान, राम-सीता कुण्ड, राम झरोखा मंदिर दर्शन, 22 कुण्ड स्नान, रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग, धनुषकोटि राम सेतु। (रात्रि रामेश्वरम)
आठवां दिन	**कन्याकुमारी** मंदिर दर्शन, सूर्य उदय अथवा सूर्य अस्त के दर्शन, हिन्द बंगाल, अरब तीनों समुद्रों का संगम स्नान, विवेकानन्द स्मारक। (रात्रि कन्याकुमारी)
नवां दिन	**त्रिवेन्द्रम** चिड़ियाघर, पद्मनाभस्वामी मंदिर, कोवलम बीच। (रात्रि कन्याकुमारी)
दसवां दिन	**मदुरई** मीनाक्षी देवी मंदिर, सुन्दरेश्वर महादेव दर्शन (रात्रि कोयंबटूर)
ग्यारहवांदिन	**ऊँटी** बोटेनिकल गार्डन, टेलिस्कोप, ऊटी झील आदि। (रात्रि मैसूर)
बारहवां दिन	**मैसूर** राजमहल, चामुण्डा देवी मंदिर, वृन्दावन गार्डन। (रात्रि विश्राम मैसूर)
तेरहवां दिन	**बैंगलोर** से फ्लाईट द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान व यात्रा समापन।

यात्रा किराया:- भोजन, चाय, नाश्ता, A/C पुशबेक डीलक्स बस, A/C डबल बैड होटल रूम, हवाई जहाज (दिल्ली से हेदराबाद व वापसी बैंगलोर से दिल्ली) द्वारा का किराया ₹**48,000/-** प्रति सवारी होगा। अग्रिम बुकिंग हेतु ₹**5,001/-** प्रति यात्री 'श्री शिव शंकर तीर्थ यात्रा' ऋषिकेश के S.B.I. बैंक खाते में या हमारी किसी भी अधिकृत बुकिंग एजेन्सी पर जमा करवा दें। शेष धनराशि यात्रा से पूर्व ली जायेगी। कृपया फ्लाइट यात्रा के नियम पेज नं. 31 को ध्यान पूर्वक पढ़ कर ही सीट बुक कराये।

फ्लाईट द्वारा यात्रा के नियम व सुविधाएं

1. यात्रियों के लिए यात्रा में सुबह चाय, नाश्ता, दोपहर व रात्रि भोजन में दाल, एक सब्जी, चावल, रोटी रहेगी। शाम को चाय होगी। दाल-चावल व रोटी में देशी घी का प्रयोग होगा। सब्जी व नाश्ते में रिफाइंड का प्रयोग होगा। चावल बासमती बनेगा। प्याज-लहसुन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। भोजन शुद्ध शाकाहारी सात्विक बनाया जायेगा। यात्रा के दौरान तवा चपाती बनायी जायेगी व समय की उपलब्धता के अनुसार पूड़ी, पराठें व खिचड़ी भी बनायी जायेगी तथा यात्रा में समय अनुसार लंच पैकेट भी दिया जाएगा। रेल द्वारा लम्बी दूरी की यात्रा के दौरान भोजन की व्यवस्था I.R.C.T.C के अधिकृत भोजनालय से की जायेगी। दोपहर एवं रात्रि भोजन के साथ एक पानी की बोतल दी जायेगी।
2. रात्रि विश्राम के लिए होटल का प्रबन्ध यात्रियों के लिए डबल बैड रूम में किया जाएगा लेकिन अगर कोई अलग से सिंगल बेड रूम लेने चाहे तो ऐसे में ₹8000 प्रति रूम अतिरिक्त भुगतान करके ले सकते है। A/C सुविधा केवल चलती बस में रहेगी पार्किंग में खड़ी बस में यह सुविधा नहीं होगी। यात्री अपने साथ बुकिंग के समय दिए गए असली पहचान पत्र (आधार कार्ड/वोटर ID) और एक पासपोर्ट साइज फोटो अवश्य लाएं।
3. फ्लाइट यात्रा में पावर बैंक केवल हैंड बैग में रखें। कैंची, नेल कटर, चाकू, नारियल आदि सामान ले जाना वर्जित है। प्रत्येक यात्री 15 किलो चेक-इन बैग और 7 किलो हैंड बैग ले जा सकता है। बोर्डिंग पास फ्लाइट से 12 घंटे पहले व्हाट्सएप पर भेजा जाएगा। कृपया टिकट पर दिए टर्मिनल पर, फ्लाइट समय से 3 घंटे पहले डिपार्चर गेट पर संस्था के प्रतिनिधि से मिलें।
4. <u>यात्रा बुक होने के बाद यात्री अपनी सीट कैंसिल करवाता है तो अग्रिम धनराशि वापिस नहीं की जायेगी। दर्शनीय स्थलों का प्रवेश शुल्क यात्रियों द्वारा वहन किया जायेगा।</u>

यात्रियों को निम्नलिखित नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

- यात्रा काल के दौरान आर्थिक, शारीरिक क्षति एवं सामान की जिम्मेदारी यात्री की स्वयं की होगी। व्यवस्थापक यात्रियों के नुकसान का जिम्मेदार नहीं होगा। फ्लाइट और रेल के नियमों का पालन करें।
- संस्था द्वारा बनाई गई रेल/फ्लाइट टिकट में सीट रेलवे/एयरलाइन तय करता है। कृपया आवंटित सीट पर यात्रा का आनंद लें। बस में सीट लॉटरी के माध्यम से आवंटित की जायेगी।
- यात्री को आवश्यकता पड़ने पर यात्री अपने खर्चे पर अस्पताल/डाक्टर की व्यवस्था अपनी सुविधानुसार कर सकते हैं। प्रत्येक यात्री टाईम टेबल के अनुसार चलने को बाध्य होंगे, यदि किसी कारणवश कोई ग्रुरप से अलग होता है तो अगले स्टेशन/गन्तव्य पर यात्री अपने खर्चे पर पहुचेगें। सभी बसे दर्शनीय स्थलो की पार्किंग तक जाएगी वहा से मंदिरों की दूरी नगण्य है इसलिए यात्री (स्वयं के खर्च 1से) पैदल अथवा रिक्शे से वहाँ जा सकते हैं। इस प्रकार यात्रियों को पैदल कम चलना पड़ेगा।
- यदि कोई यात्री किन्हीं कारणवश अथवा अस्वस्थ होने की वजह से अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर घर वापिस आना चाहेगा तो उस अवस्था में यात्री को व्यवस्थापक की तरफ से केवल घर तक पहुंचाने हेतु रेलवे का स्लीपर क्लास का टिकिट ही दिया जायेगा। यह व्यवस्था भी केवल यात्रा समाप्ति के 5 दिन पूर्व तक लागू होगी। किराया वापसी किसी भी अवस्था में देय नहीं होगा।
- यात्रा में फ्लाइट लेट होने / बस खराब होने/ मौसम खराब होने/साप्ताहिक अवकाश/ बन्द/ रैली आदि के कारण सें किसी स्थान पर दर्शन ना होने पर व्यवस्थापक द्वारा कार्यक्रम में जो भी बदलाव किया जायेगा, यात्रियों से निवेदन है कि परिस्थतियों को समझते हुए उसमें अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करें।
- यात्रा काल में मैनेजर यात्रियों को अधिक से अधिक सुविधा देने की कोशिश करेंगे परन्तु फिर भी यात्रा के दौरान थोड़ी असुविधा होना स्वाभाविक है। उस समय 'परदेश नरेश कलेशन' की कहावत के अनुसार तपस्या की भावना से उसे सहन करें व मैनेजर को पूर्ण सहयोग प्रदान करें।